बाबासाहेब का सपना साकार करते मोदी

अम्बेडकर जयंती

विशेषांक

वर्ष : 2, अंक : 13 | 14 अप्रैल, 2020

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को अपना आदर्श मानते हैं और उनके सुझाए आदर्शों का अनुसरण भी करते हैं। बाबासाहेब को जितना सम्मान मोदी सरकार ने दिया है, उतना किसी और सरकार ने कभी नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'पंचतीर्थ' की स्थापना कर जहां बाबासाहेब के योगदान, आदर्श और उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाया है, वहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। इसके साथ ही 70 सालों से उनके अधूरे सपनों को भी साकार किया है।

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और योजनाओं में डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक न्याय और आर्थिक विचारों की स्पष्ट झलक मिलती है। डॉ. अम्बेडकर जिस व्यवस्था परिवर्तन की बात करते थे, उसे पूरा करने का काम प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। उन्होंने समाज के आखिरी छोर पर बैठे लोगों को सशक्त बनाने और समान अधिकार दिलाने के लिए अपने को पूरी तरह समर्पित कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आरक्षण को दस साल के लिए बढ़ाकर उन लोगों को खुली चुनौती दी, जो आरक्षण पर देश में झूठ फैलाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने अपनी योजनाओं के माध्यम से सामाजिक न्याय को गति देने का कार्य किया है। दलितों, वंचितों और शोषितों को घर, पानी, बिजली, गैस कनेक्शन, शौचालय आदि देकर समानता और आत्मसम्मान का भाव पैदा किया है।

कौशल विकास, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी पहल के माध्यम से आज दलित भी इनोवेटर्स और उद्यमी बन रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन लोगों के मन में रोजगार देने का भाव पैदा किया है जो अब तक रोजगार पाने के भाव से ग्रसित थे।

मोदी सरकार आजाद भारत की पहली ऐसी सरकार बन गई है, जिसने समावेशी व्यवस्था स्थापित करने का सफल प्रयास किया है। आज यानि 14 अप्रैल को देश अम्बेडकर जयंती मना रहा है, ऐसे में यह उल्लेख करना जरूरी है कि किस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अम्बेडकर के कार्यों को पूरा कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

मोदी सरकार में पहली बार

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

- पीएम मोदी की पहल से यूएन मुख्यालय में बाबासाहेब अम्बेडकर की 125वीं जयंती मनाई गई।
- 125वीं जयंती पर विश्व के 186 देशों में डॉ. अम्बेडकर से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- डॉ. अम्बेडकर के योगदान को याद करने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाने की घोषणा की गई।
- नवम्बर 2015 में संसद में डॉ. अम्बेडकर के जीवन और योगदान पर 2 दिनों तक चर्चा की गई।
- पीएम मोदी डॉ. अम्बेडकर को उनके जन्म स्थान मध्य प्रदेश के महू में श्रद्धांजलि देने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बने।
- पीएम मोदी अम्बेडकर मेमोरियल लेक्चर कार्यक्रम को संबोधित करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बने।
- डॉ.अम्बेडकर के जीवन से जुडे पांच प्रमुख स्थलों को 'पंचतीर्थ' घोषित किया गया।
- पीएम मोदी ने दिसंबर 2017 में डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेन्टर देश को समर्पित किया।
- 2015 में प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को समरसता दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया।
- 30 सितंबर, 2015 को डॉ. अम्बेडकर की स्मृति में डाक टिकट जारी किया गया।
- 06 दिसंबर, 2015 को डॉ. अम्बेडकर की स्मृति में 10 रुपये और 125 रुपये के सिक्के जारी किए गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

"अगर बाबासाहेब अम्बेडकर नहीं होते तो मैं यहां तक नहीं पहुंचता। ये उनके संविधान की ही ताकत है जो देश के सभी लोगों को विकास का समान अवसर देता है।"

"बाबासाहेब का राष्ट्र निर्माण में जो योगदान है, उस वजह से हम सभी उनके ऋणी हैं। हमारी सरकार का ये प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक उनके विचार पहुंचें। विशेषकर युवा पीढ़ी उनके बारे में जाने, उनका अध्ययन करे।"

"जिस न्यू इंडिया की बात मैं करता हूं वो बाबासाहेब के सपनों का भारत है। सभी को समान अवसर, सभी को समान अधिकार। जाति के बंधन से मुक्त भारत। टेक्नोलॉजी की शक्ति से आगे बढ़ता हुआ भारत, सबका साथ लेकर, सबका विकास करता हुआ भारत।"

पंचतीर्थ

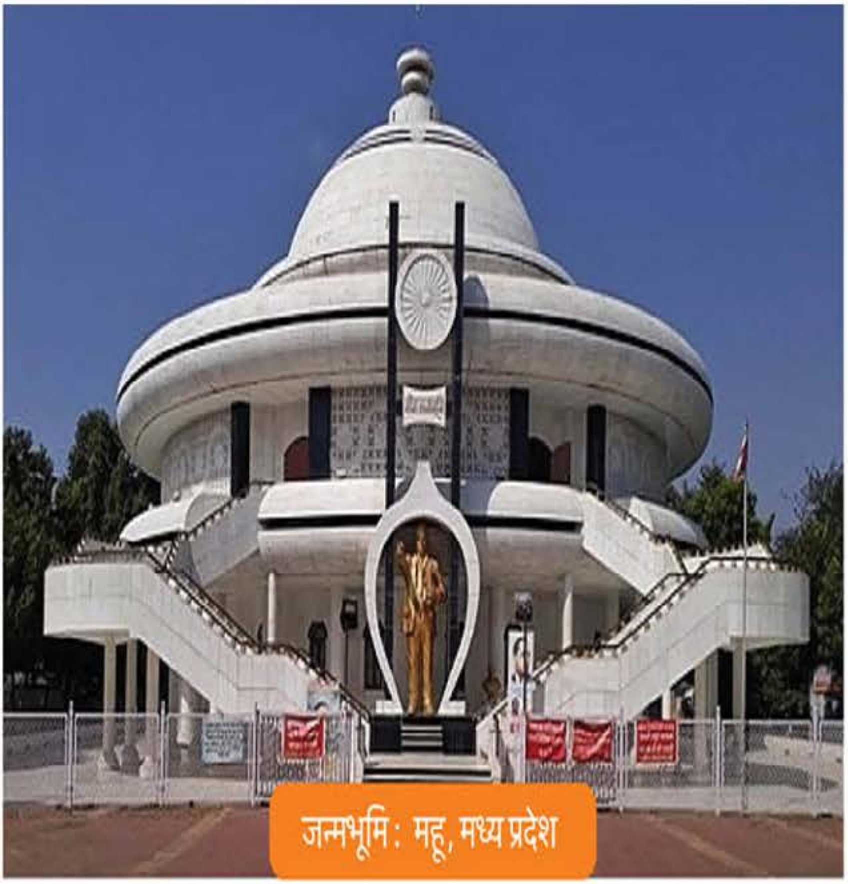

जन्मभूमि : महू, मध्य प्रदेश

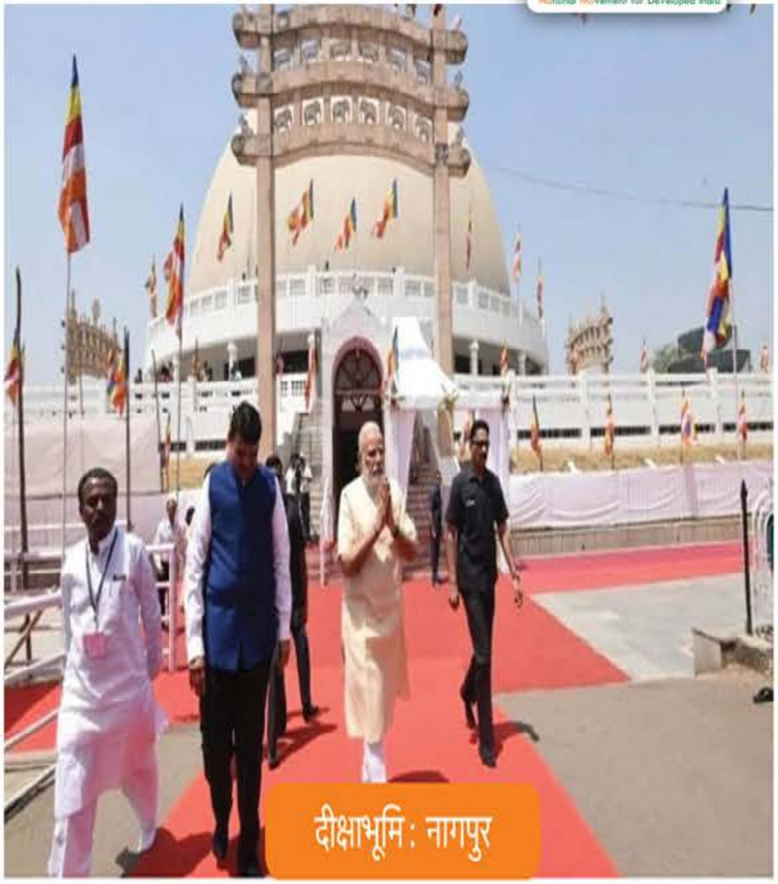

दीक्षाभूमि : नागपुर

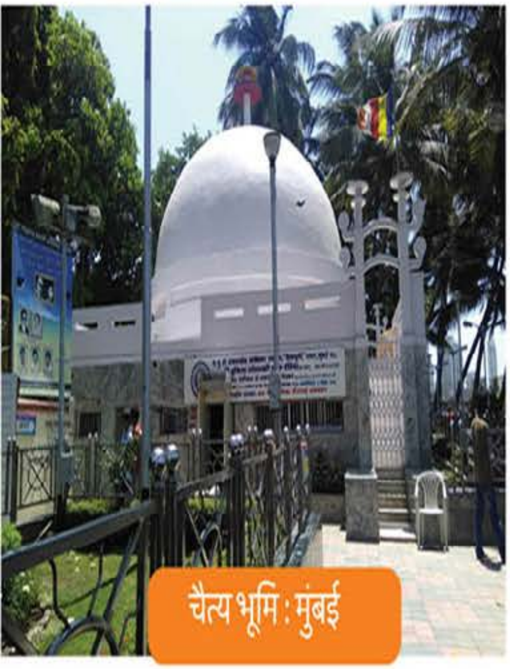

चैत्य भूमि : मुंबई

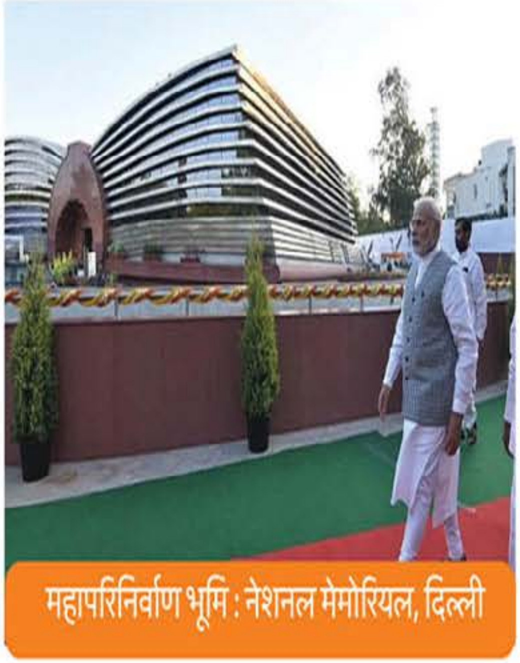

महापरिनिर्वाण भूमि : नेशनल मेमोरियल, दिल्ली

शिक्षाभूमि : डॉक्टर अंबेडकर मेमोरियल, लंदन

राष्ट्रीय स्मारक

- पीएम मोदी ने 13 अप्रैल, 2018 को दिल्ली में देश को राष्ट्रीय स्मारक समर्पित किया।
- डॉ. अम्बेडकर 1951 में मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने के बाद से अंतिम सांस तक दिल्ली के अलीपुर रोड स्थित आवास में रहे।
- स्मारक युवाओं को बाबासाहेब के योगदान, आदर्श और उपदेशों का संदेश देता है।

मान और मुक्ति

साकार किया सपना

- अनुच्छेद 370 हटाने से डॉ. अम्बेडकर का सपना साकार हुआ।
- डॉ.अम्बेडकर अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी थे।
- संविधान सभा में अनुच्छेद-370 पर बहस में हिस्सा नहीं लिया।
- संविधान में जम्मू कश्मीर से संबंधित विशेष प्रावधान का विरोध किया।

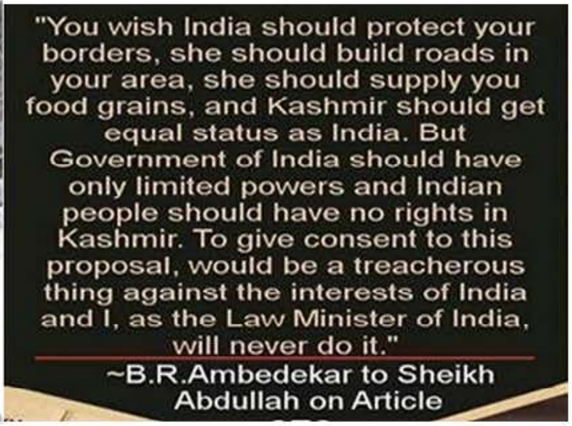

पाकिस्तान के दलितों की चिंता

- मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून लागू कर डॉ. अम्बेडकर के विचारों का पालन किया।
- डॉ. अम्बेडकर पाकिस्तान के दलितों को भारत में नागरिकता देने के पक्ष में थे ।

डॉ. अम्बेडकर, "मैं उन दलितों को भारत आने के लिए कहूंगा, जिनके साथ आज पाकिस्तान में अन्याय हो रहा है, जिनके अधिकार छीन लिए गए है।"

आरक्षण को किया सुदृढ़

- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में SC/ST और अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण को 25 जनवरी, 2030 तक बढ़ाया गया।
- ओबीसी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' की आय सीमा 6 से बढ़ाकर 8 लाख रुपये सालाना की गई।
- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 'अनुसूचित जाति उत्पीड़न कानून' को मजबूत किया गया।
- दलित उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों का गठन और सरकारी वकीलों की सुविधा दी गई।
- दलितों पर होने वाले अत्याचारों की सूची में अलग-अलग अपराधों की संख्या 22 से बढ़ाकर 47 की गई।
- अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में एकसमान आर्थिक सहायता 2.5 लाख रुपये की गई।

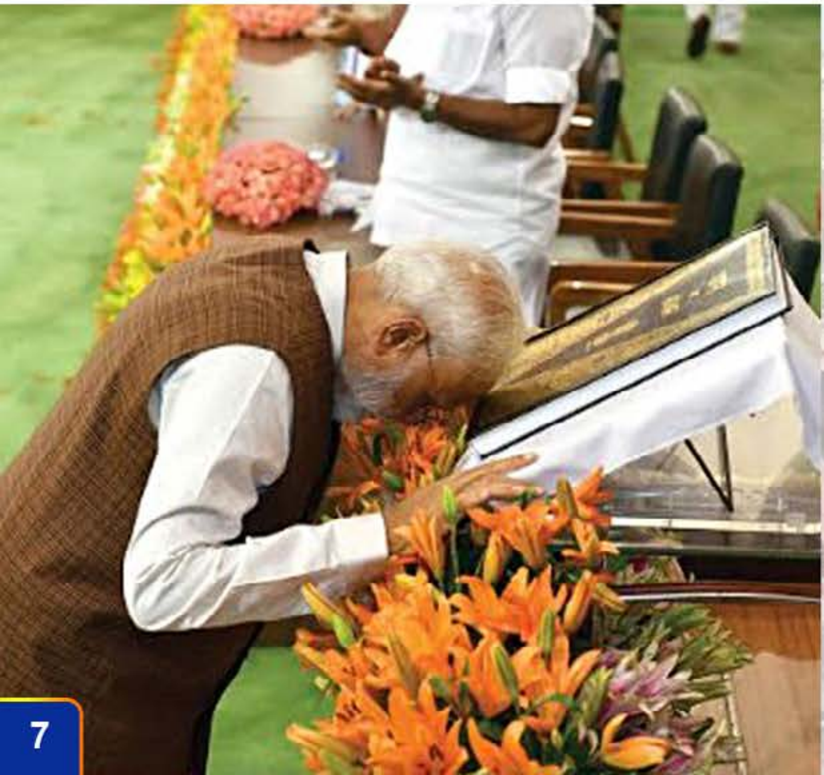

भेदभाव रहित योजनाएं

- योजनाओं के माध्यम से समाज में समानता लाने की कोशिश
- योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का सफल प्रयास
- योजनाओं के लाभार्थियों में अधिकांश SC/ST और OBC
- उज्ज्वला योजना के तहत 8 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन
- जनधन योजना के तहत 38 करोड़ से अधिक खाते खुले
- पिछले 5 सालों में SC/ST और OBC के 9.52 करोड़ लोगों को मुद्रा लोन
- स्वच्छ भारत मिशन के तहत करीब 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण
- स्वच्छ भारत मिशन से सिर पर मैला ढोने की कुप्रथा खात्मे की ओर
- आयुष्मान भारत योजना के तहत करीब 1 करोड़ लोगों का इलाज
- 2024-25 तक 27 हजार दलित बहुल गांवों के कायाकल्प की योजना
- पीएम आवास योजना के तहत 1.86 करोड़ घरों का निर्माण
- 2022 तक सभी को घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य
- सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से उपलब्ध
- योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर
- डीबीटी के माध्यम से एससी-एसटी के छात्रों को छात्रवृत्तियां
- जनधन, आधार और मोबाइल से भ्रष्टाचार पर अंकुश, लीकेज खत्म

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत
PM-JAY

"शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो"

- मोदी सरकार ने एससी बहुल इलाकों में अम्बेडकर नवोदय विद्यालय खोलने का फैसला किया है।
- एससी छात्रों की फ्री-कोचिंग के लिए पात्रता की वार्षिक आय 4.5 से बढ़ाकर 6 लाख रुपये की गई।
- अनुसूचित जातियों के छात्रों के लिए मैट्रिक के बाद की छात्रवृत्ति योजना को जारी रखने का निर्णय लिया गया।
- एससी के छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता के लिए वार्षिक आय 2 से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये की गई।
- अक्टूबर 2018 में केंद्र स्तरीय छात्रवृत्ति योजना में संशोधन कर 220 संस्थानों को सूचीबद्ध किया गया।
- केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों की सीधी भर्ती में 200 प्वाइंट रोस्टर प्रणाली को लागू किया गया।

जागरूकता

- योजनाओं के बारे में जागरूकता के लिए 14 अप्रैल से 05 मई, 2018 तक 'ग्राम स्वराज अभियान' चलाया गया।
- 21,058 लक्षित गांवों में 7 प्रमुख योजनाओं के पात्र परिवारों/व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया।
- 14 से 24 अप्रैल,2016 तक' ग्राम उदय से भारत उदय अभियान' चलाया गया।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान

दलित उद्यमिता

- पीएम मोदी ने दिसंबर, 2015 में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम को संबोधित किया।
- पीएम मोदी ने SC/ST उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए मुद्रा योजना और स्टैंड-अप इंडिया योजना शुरू की।
- कौशल विकास, मेक इन इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया के माध्यम से दलित उद्यमिता को बढ़ावा दिया गया।
- दलित उद्यमिता के माध्यम से SC/ST को सशक्त बनाने के लिए डीएआईसी और डीआईसीसीआई के बीच समझौता हुआ।
- सार्वजनिक उपक्रमों को अपनी खरीददारी का 4 प्रतिशत सामान SC/ST उद्यमियों से खरीदने का निर्देश दिया गया।

जलशक्ति भारत !

- पीएम मोदी ने जलशक्ति मंत्रालय की स्थापना और जल जीवन मिशन की शुरुआत कर बाबासाहेब के अधूरे कार्य को पूरा किया।
- मोदी सरकार में राष्ट्रीय जलमार्ग और बंदरगाहों के विकास के लिए ऐतिहासिक प्रयास हो रहे हैं।
- मार्च 2016 में संसद में राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम पारित कर 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया।
- पीएम मोदी ने 14 अप्रैल,2016 को मुंबई में आयोजित मेरीटाइम इंडिया समिट को संबोधित किया।
- यूपी के कानपुर में राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पीएम मोदी ने की।
- पीएम मोदी ने 2017 में सरदार सरोवर बांध परियोजना का उद्घाटन किया।

समर्पित भीम एप

- पीएम मोदी ने भीम एप को बाबासाहेब के नाम पर समर्पित किया।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिंगापुर में भीम एप का प्रदर्शन किया गया।
- दिल्ली में आयोजित स्टार्टअप समिट 2019 के दौरान भीम 2.0 को लॉन्च किया गया।
- भीम एप 16 भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे डिजिटल पेमेंट करना और भी आसान हो गया है।
- कोरोना महामारी और लॉकडाउन के समय भीम एप वरदान बनकर आया है।

बाबासाहेब के सच्चे साधक

बुद्धं शरणं गच्छामि

"बाबासाहेब ने संविधान के माध्यम से दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, हाशिये पर खड़े करोड़ों लोगों को सशक्त बनाया है। करुणा का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता। लोगों की पीड़ा के लिए यह करुणा भगवान बुद्ध के सबसे महान गुणों में से एक थी।"